



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

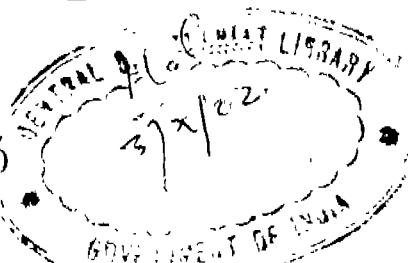
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 185]

नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 20, 2002/फाल्गुन 1, 1923

No. 185]

NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 20, 2002/PHALGUNA 1, 1923

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुख्य, 20 फरवरी, 2002

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (स्टाक दलाल और उप-दलाल) (संशोधन) विनियम, 2002

का. आ. 220 (अ).—भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

I. इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (स्टाक दलाल और उप-दलाल) (संशोधन) विनियम, 2002 कहा जा सकेगा।

II. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (स्टाक दलाल और उप-दलाल) विनियम, 1992 में—

(1) विनियम 16ग में, उप-विनियम (1) में, खण्ड (ग) के पश्चात्, निम्नलिखित खण्ड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(घ) को इन विनियमों के अधीन कोई वित्तीय दायित्व जो बोर्ड को शोध्य और देय है।”

(2) अनुसूची III में,—

(क) पैरा 1 में,

(i) विद्यमान खण्ड (ख) के पश्चात्, निम्नलिखित खण्ड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(ख) खण्ड (ख) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी यह स्पष्ट किया जाता है कि फीस निम्नानुसार यथा संगणित वसूलीय होगी :

(i) आदृती संव्यवहारों की बाबत अर्थात् सभी संव्यवहारों जिन्हें उसी दिन के दौरान ब्राबर किया जाता है जो दलाल द्वारा ग्राहकों की ओर से नहीं किए गए हैं, फीस की संगणना ऐसे संव्यवहारों के विक्रय-पक्ष की बाबत एक प्रतिशत के एक दो सौवें भाग की दर पर की जाएगी;

(ii) सरकारी प्रतिभूतियों, किसी सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम द्वारा निर्गमित बंधपत्रों तथा वैसी ही रीति में व्यापारित यूनिटों में संव्यवहारों की बाबत, देय फीस की संगणना व्यापारावर्त के एक प्रतिशत के एक हजारवें भाग की दर पर की जाएगी;

(iii) वायदा, नवीकरण अथवा बदला संव्यवहारों के मामले में, फीस की संगणना व्यापारावर्त के एक प्रतिशत के एक सौवें भाग की दर पर की जाएगी और प्रतिवर्ती संव्यवहारों की गणना व्यापारावर्त के भागरूप नहीं की जाएगी;

(iv) यादे दलाल प्रतिभूतियों में संव्यवहार स्टाक एक्सचेंज को उनकी रिपोर्ट किए जिना कर रहे हैं, उन संव्यवहारों को व्यापारावर्त के

प्रयोजन के लिए हिसाब में लिया जाएगा और फीस की संगणना व्यापारावर्त के एक प्रतिशत के एक सौबंध भाग की दर पर की जाएगी;

(v) अन्य स्टाक एक्सचेंजों की मार्फत किया गया व्यापार उस एक्सचेंज के व्यापारावर्त में सम्मिलित किया जाएगा यदि उस प्रतिशत के लिए एक्सचेंज जिसका वह सदस्य है में बाजार विष्वामान नहीं है और फीस की संगणना व्यापारावर्त के एक प्रतिशत के एक सौबंध भाग की दर पर की जाएगी;

(vi) क्रियाकलाप यथा हामीदारी तथा जमाराशियों के संग्रहण को व्यापारावर्त का परिकलन करने के प्रयोजन के लिए हिसाब में नहीं लिया जाएगा।"

(ii) खण्ड (ग) में शब्दों "वित्तीय वर्षों के" के पश्चात् तथा शब्दों "खण्ड के" के पूर्व दिए हुए शब्द "एक" के लिए शब्द "प्रत्येक" प्रतिस्थापित किया जाएगा।

(ख) पैरा 4 में, निम्नलिखित स्पष्टीकरण अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"स्पष्टीकरण : यह स्पष्ट किया जाता है कि एक्सचेंज के व्यक्तिगत अथवा भागीदारी सदस्यता कार्ड के निगमित सत्ता में संपरिवर्तन को पुरानी सत्ता में चालू रहा समझा जाएगा और संपरिवर्तित निगमित सत्ता से अवधि जिसके लिए पूर्वतर सत्ता ने विनियमों के अनुसार फीस का भुगतान कर दिया हो के लिए पुनः कोई फीस संग्रहित नहीं की जाएगी।"

[फा. सं. भाप्रविबो/विधि/2845/2002]

देवेन्द्र राज मेहता, अध्यक्ष

पाद टिप्पणि :

1. भारतीय प्रतिशुति और विनियम बोर्ड (स्टाक दलाल और उप-दलाल) विनियम, 1992, मूल विनियम, सा.का.नि. सं. 780(अ) 23 अक्टूबर, 1992 द्वारा भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुआ था।

2. यह तात्पश्चात् :

- (क) भाप्रविबो (फीस का संदाय) (संशोधन) विनियम, 1995 का.आ. सं. 939(अ) द्वारा 28 नवम्बर, 1995
- (ख) भाप्रविबो (स्टाक दलाल और उप-दलाल) (संशोधन) विनियम, 1998 का.आ. सं. 13(अ) द्वारा 5 जनवरी, 1998
- (ग) भाप्रविबो (स्टाक दलाल और उप-दलाल) (दूसरा संशोधन) विनियम, 1998 का.आ. सं. 75(अ) द्वारा 21 जनवरी, 1998
- (घ) भाप्रविबो (स्टाक दलाल और उप-दलाल) (तीसरा संशोधन) विनियम, 1998 का.आ. सं. 1078(अ) द्वारा 16 दिसम्बर, 1998
- (ङ) भाप्रविबो (स्टाक दलाल और उप-दलाल) (संशोधन) विनियम, 1999 का.आ. सं. 541(अ) द्वारा 6 जुलाई, 1999
- (च) भाप्रविबो (स्टाक दलाल और उप-दलाल) (संशोधन) विनियम, 2000 का.आ. सं. 234(अ) द्वारा 14 मार्च, 2000
- (छ) भाप्रविबो (प्रतिशुति अपीलीय न्यायाधिकरण को अपील) (संशोधन) विनियम, 2000 का.आ. सं. 278(अ) द्वारा 28 मार्च, 2000
- (ज) भाप्रविबो (स्टाक दलाल और उप-दलाल) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2000 का.आ. सं. 787(अ) द्वारा 30 अगस्त, 2000
- (झ) भाप्रविबो (मध्यवर्तीयों द्वारा विनिधान सलाह) (संशोधन) विनियम, 2001 का.आ. सं. 476(अ) द्वारा 29 मई, 2001
- (अ) भाप्रविबो (स्टाक दलाल और उप-दलाल) (संशोधन) विनियम, 2001 का.आ. सं. 1128(अ) द्वारा 15 नवम्बर, 2001, को संशोधित हुआ था।

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

NOTIFICATION

Mumbai, the 20th February, 2002

Securities and Exchange Board of India (Stock Brokers and Sub-Brokers) (Amendment) Regulations, 2002

S.O. 220 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Securities and Exchange Board of India hereby makes the following regulations, namely :—

I. These regulation may be called the Securities and Exchange Board of India (Stock Brokers and Sub-Brokers) (Amendment) Regulations, 2002.

II. In Securities and Exchange Board of India (Stock Brokers and Sub-Brokers) Regulations, 1992 —

(1) in regulation 16C, in sub-regulation (1), after clause (c), the following clause shall be inserted, namely :—

"(d) has any financial liability which is due and payable to the Board under these regulation."

(2) In Schedule III,—

(a) in paragraph 1,

(i) after the existing clause (b), the following clause shall be inserted, namely—

“(bb) Notwithstanding anything contained in clause (b) it is clarified that the fee shall be recoverable as computed as under :

- (i) in respect of jobbing transactions that is to say all transactions which are squared off during the same day which have not been undertaken by the broker on behalf of clients, the fees shall be computed at the rate of one two hundredth of one per cent in respect of the sale side of such transactions;
- (ii) in respect of transactions in Government securities, the bonds issued by any Public Sector Undertaking and the units traded in a similar manner, the fee payable shall be computed at the rate of one thousandth of one percent of the turnover;
- (iii) in case of carry forward, renewal or badla transactions the fees shall be computed at the rate of one hundredth of one percent of the turnover and the reverse off setting transactions shall not be counted as part of the turnover;
- (iv) if brokers are carrying out transactions in securities without reporting them to the stock exchange, those transactions shall be taken into account for the purpose of turnover and the fees shall be computed at the rate of one hundredth of one per cent of the turnover;
- (v) the trade put through on other stock exchanges shall be included in the turnover of that exchange if market for that security does not exist on the exchange of which he is a member and the fees shall be computed at the rate of one hundredth of one percent of the turnover;
- (vi) activity such as underwriting and collection of deposits shall not be taken into account for the purpose of calculating the turnover.”

(ii) In clause (c) for the word “a” appearing after the words “rupees five thousand for” and before the words “block of five financial years” the word “every” shall be substituted.

(b) In paragraph 4, the following Explanation shall be inserted, namely :—

“Explanation : It is clarified that the conversion of individual or partnership membership card of the exchange into corporate entity shall be deemed to be in continuation of the old entity and no fee shall be collected again from the converted corporate entity for the period for which the erstwhile entity has paid the fee as per the regulations.”

[F.No. SEBI/LE/2845/2002]

D.R. MEHTA, Chairman

Footnote :

1. Securities and Exchange Board of India (Stock Brokers and Sub-Brokers) Regulations, 1992, the Principal Regulations, was published in the Gazette of India on October 23, 1992 vide GSR No. 780(E).
2. It was subsequently amended on:
 - (a) November 28, 1995 by the SEBI (Payment of Fees) (Amendment) Regulations, 1995 vide S.O. No. 939(E).
 - (b) January 5, 1998 by SEBI (Stock Brokers and Sub-Brokers) (Amendment) Regulations, 1998 vide S.O. No. 13(E).
 - (c) January 21, 1998 by SEBI (Stock Brokers and Sub-Brokers) (Second Amendment) Regulations, 1998 vide S.O. No. 75(E).
 - (d) December 16, 1998 by SEBI (Stock Brokers and Sub-Brokers) (Third Amendment) Regulations, 1998 vide S.O. No. 1078(E).
 - (e) July 6, 1998 by SEBI (Stock Brokers and Sub-Brokers) (Amendment) Regulations, 1999 vide S.O. No. 541(E).
 - (f) March 14, 2000 by SEBI (Stock Brokers and Sub-Brokers) (Amendment) Regulations, 2000 vide S.O. No. 234(E).

- (g) March 28, 2000 by SEBI (Appeal to Securities Appellate Tribunal) (Amendment) Regulations, 2000 vide S.O. No.278(E).
- (h) August 30, 2000 by SEBI (Stock Brokers and Sub-Brokers) (Second Amendment) Regulations, 2000 vide S.O. No.787(E).
- (i) May 29, 2001 by SEBI (Investment Advice by Intermediaries) (Amendment) Regulations, 2001 vide S.O. No.476(E).
- (j) November 15, 2001 by SEBI (Stock Brokers and Sub-Brokers) (Amendment) Regulations, 2001 vide S.O.^{**} No. 1128(E).